

**कक्षा ग्यारहवीं**  
**विषय - उर्दू**  
**पाठ्यक्रम**

मास	पुस्तक का नाम	विषय-वस्तु	शिक्षण के पीरियड	दोहराई के पीरियड
अप्रैल	गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>सरगुजश्त आजाद बख्त बादशाह की (दास्तान) (मीर अम्मन)</li> <li>मिर्जा मजहर जाने जाना (मो० हुसैन आजाद) (अदवी तारीख)</li> <li>सवेरे जो कल आँख मेरी खुली (तन्ज-ओ-मजाह) (पितरस बोखारी)</li> <li>यादिश बखैरया(मुश्ताक अहमद युसुफी)</li> </ol>	19	3
मई	ख्याबाने उर्दू गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>आदमी नामा, रोटियां (नज्म) (नजीर अकबराबादी)</li> <li>मीर बाकर अली दास्तान गो (शाहिद अहमद देहलवी)</li> <li>गोरी हो गोरी (मुख्तसर अफसाना) (सय्यद रफीक हुसैन)</li> <li>चौथी का जोड़ा ( अस्मत चुगताई)</li> </ol>	19	3
जून		ग्रीष्म कालीन अवकाश		
जुलाई	गुलिस्ताने अदब ख्याबाने उर्दू	<ol style="list-style-type: none"> <li>सर सैय्यद मरहूम और उर्दू लिदरेचर (शिबली नोमानी)</li> <li>हमारी कहावतें (शान-उल-हक हक्की)</li> <li>आबे जुलजलाल (नज्म) (इसमाईल मेरठी)</li> <li>शराब-ए-शोक सी सरशार है हम, किया मुझे इश्क ने जालिम को आब आहिस्ता आहिस्ता (गज़ल) (वली दक्कनी)</li> </ol>	18	4
अगस्त	गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>अरज़ो वो समा कहाँ तेरी वसअत को पा सके, है गलत गर गुमान में कुछ है। (ख्वाजा मीर दर्द)</li> <li>जिस सर को गोरुर आज है। यो ताजवरी का, रफतगां में जहां के हम भी है। (गज़ल) (मीर तक्की मीर)</li> <li>सुन तो सही जहां में तेरा अफसाना क्या, ये आरजू थी तुझे गुल के रुबरू करते। (ख्वाजा हैदर अली आतिश)</li> <li>इब्न मरयम हुआ करे कोयी, फिर मुझे दीदए तर याद आया। (गज़ल) (गालिब)</li> </ol>	18	4
सितम्बर	गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>पहुँचना बकावली का दार-उल-खिलाफत-ए-जैन-उल-मुलूक में (मसनवी) (दया शंकर नसीम)</li> <li>होँ मह-ए-नो सुने हम उसका नाम (कसीदा)</li> </ol>	6	4
अक्टूबर	ख्याबाने उर्दू गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>मादर-ए-वतन (नज्म) (सुरुर जहानाबादी)</li> <li>सहादत-ए-हजरत अब्बास (मर्सिया)(बब्बर अली अनीस)</li> <li>मुस्तकबिल (नज्म) (अकबर इलाहाबादी)</li> <li>शुआ-ए-उम्मीद (नज्म) (अल्लामा इकबाल)</li> </ol>	10	4
नवम्बर	गुलिस्ताने अदब	<ol style="list-style-type: none"> <li>अलबेली सुबह (नज्म) (जोश मलिहाबादी)</li> <li>उर्दू (नज्म) ( अली सरदार जाफरी)</li> <li>चौद तारो का बन (नज्म)(मख्दुम)</li> </ol>	9	4
दिसम्बर	गुलिस्ताने अदब  ख्याबाने उर्दू	<ol style="list-style-type: none"> <li>तनहाई (नज्म) (फैज) रुबाई</li> <li>क्या तुम्हे बताएँ उम्र-ए-फानी क्या थी, दुनिया सौ सौ तरह से बहलाती है, ये क्या कि हयात-ए-जाविदानी क्या है। (जगत मोहन लाल रवॉ)</li> <li>किस बर्क की हर आन चमक रहती है, खालिक ने जिन्हे दिया है। जर देते है खुद अपनी निगाहों से गिरा जाता हू। (अमजद हैदराबादी)</li> <li>एक लड़का (नज्म)(अख्तरुल इमान)</li> <li>प्यारा प्यारा घर अपना (गीत) (मुहम्मद अजमत-उल्लाह खॉ)</li> </ol>	11	4

जनवरी	ख्याबाने उर्दू	31. रूखसत हुई सहेली (गीत) (शाद आरफी) रोग का राग (अख्तर शीरानी) 32. एक बस्ती जानी पहचानी, जीवन एक मदारी प्यारे, यूही जोत जगेगी मुख, तनहा सबसे दुर अकेली (गीत) (मीराजी) 33. प्रीत है मन का रोग (गीत) (एहसान दानिश) 34. गीतो के हरवा गूंघूंगी (गीत) (सलाम मछलीशहरी) 35. मंजुम तर्जुमा (श्लोक) (भ्रतरी हरी) (मुतर्जम- इम्तियाज-उददीन खॉ) 36. ड्रामा इन्द्र सभा (मंजूम) (अमानत लखनवी) 37. सहारा की दुआ (शाहनामा इस्लाम) (हाफीज जालन्धरी)	12	5
फरवरी		दोहराई		
मार्च		परीक्षाएं		